VETERINARY TODAY

ISSN:2583-8288
Popular Article
Published on: 23.02.2024

पशुओं एवं मुर्गियों में टीकाकरण द्वारा संक्रामक रोगों से बचाव

डॉ मंजू साहू [1*], डॉ. जीशान अहमद खान [2], कृष्ण कुमार यादव [3] एवं दीपज्योति रॉय[1]

[1]विद्यावरिधि शोधकर्ता, पशुचिकित्सा विस्तार विभाग, पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय, राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, बरकछा, मिर्ज़ापुर- २३१००१ (उत्तर प्रदेश)

[2]सहायक प्राध्यापक, इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इंटीग्रल विश्वविद्यालय, कुर्सी रोड, लखनऊ- २२६०२६ (उत्तर प्रदेश)

[3]पशुचिकित्सा अधिकारी, ६एस. के. एम. सखी, अनुपगढ, श्रीगंगानगर- ३३५७०७ (राजस्थान)

पशुओं के टीकाकरण

- पशुओं में संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए टीकाकरण सर्वोत्तम विधि मानी जाती है।
- वेक्सीन/टीके पशुओं के शरीर में प्रभावी त्रिदोषन या कोशिका मध्यस्ता प्रतिरक्षा को विकसित कर पशुओं की विभिन्न रोगों से सुरक्षा प्रदान करने में मदद करती हैं|
- वेक्सीन पशुओं के शरीर पर कोई दुष्प्रभाव नहीं डालती है।
- टीकाकरण कार्यक्रम का कड़ाई से अनुपालन हमारे पशुओं को स्वस्थ एवं अधिक उत्पादनशील बनाएं रखने में हमारी मदद करता है|

पशुओं के टीकाकरण से पहले क्या करें ?

- पशुओं को कृमिनाशक औषेधियों द्वारा कृमि मुक्त करें |
- टीकाकरण के दो सप्ताह बाद तक पशुओं को तनाव मुक्त रखें एवं रोगी पशु के संम्पर्क से बचायें

पशुओं के टीकाकरण के दौरान क्या न करें

- रोगी, दुर्बल एवं वृद्ध पशुओं का टीकाकरण न करें
- टीकाकरण के बाद दो सप्ताह तक पशुओं के उपचार हेतु एन्टीबॉयोटिक, सल्फा औषधियों, कृमिनाषक और प्रतिरक्षा दमनक दवाओं का प्रयोग न करें।

पशुओं में संक्रामक रोगों से बचाव के लिए टीकाकरण सारणी:

बीमारी	वैक्सीन	खुराक	कैसे लगाई जाए	वैक्सीन लगाने का समय
गलघोंटूँ (गाय, भैस, भेड़, बकरी एवं सूकर)	फिटकरी सांद्रित	५ मिली.	खाल के नीचे	प्रथम बार छः महीने की उम्र में, तत्पश्चात छः महीने के बाद
	तेल गुण वर्धक	३ मिली.	गहरे मांस में	प्रथम बार छः महीने की उम्र में, तत्पश्चात हर नौ महीने के बाद
खुरपका-मुँहपका (गाय, भैस, भेड़, बकरी एवं सूकर)	एल्युमिनियम हाइड्राक्साइड जैल अवशोषित खुरपका मुंहपका वैक्सीन	२ मिली.	खाल के नीचे	प्रथम बार तीन महीने की उम्र में तत्पश्चात् नौ महीने की उम्र में बूस्टर खुराक, उसके बाद हर छः महीने पर
	तेल गुणवर्धक खुरपका मुंहपका वैक्सीन	२ मिली.	गहरे मांस में	बूस्टर नौ महीने के बाद

-

ब्रूसीलोसिस (गाय, भैस, भेड़, बकरी एवं सूकर)	ब्रूसेला अबोरटीस	२ मिली.	खाल के नीचे	चार से छः महीने की मादा पशुओं में
लंगड़ा बुखार (गाय एवं भैस)	लँगड़िया बुखार जीवाणु टीका	५ मिली.	खाल के नीचे	वर्षा ऋतु के प्रारम्भ होने से पूर्व (वर्ष में एक बार)
गिल्टी रोग/ गलघोटू रोग (गाय, भैस, भेड़, बकरी एवं सूकर)	ऐन्थ्रैक्स जीवाणु टीका	१ मिली.	खाल के नीचे	वर्षा ऋतु के प्रारम्भ होने से पूर्व (वर्ष में एक बार)
ऐन्टोरोटाक्सीमिया (भेड़ एवं बकरी)	ऐन्टोरोटाक्सीमिया टीका	२.५ मिली.	खाल के नीचे	तीन महीने की उम्र होने पर तथा चौदह दिनों बाद बूस्टर टीका, तत्पश्चात ग्रीष्म ऋतु शुरू होने से पूर्व वार्षिक टीकाकरण
पी. पी. आर (भेड़ एवं बकरी)	पी. पी. आर तनु टीका	1 मिली.	खाल के नीचे	चार महीने की उम्र होने पर तत्पश्चात वार्षिक टीकाकरण
धनुस्तम्भ/ टिटनेस (सभी पालतू पशुओं में)	टिटेनेस टॉक्साइड	१ मिली.	गहरे मास में	पहली खुराक के चार छः ससाह बाद बूस्टर टीका तत्पश्चात वार्षिक टीकाकरण

मुर्गियों के लिए टीकाकरण सारणी:

ब्रॉइलर मुर्गी के लिए

बीमारी	टीका	आयु	कैसे दें
रानीखेत	एफ / बी-१	४ से ६ दिन पर	आँख-नाक में १-१ बूंद या पीने के पानी में
गंबोरो	स्टैडर्ड/ जीओरजिया इण्टरमिडीयट पल्स या एम बी	१२ से १४ दिन पर	आँख-नाक में १-१ बूंद या पीने के पानी में

अण्डे देने वाली मुर्गियों एवं ब्रीडर मुर्गियों के लिए टीकाकरण सारणी:-

बीमारी	टीका	आयु	कैसे दें
मेरेक्स बीमारी (एम. डी.)	एच. वी. टी.	१ दिन की आयु पर	०.१ मि.ली. चमड़ी के नीचे
रानीखेत	एफ / बी-१	१ दिन पर	०.१ मि.ली. चमड़ी के नीचे
	आर २ बी	४ से ६ दिन पर	आँख-नाक में १-१ बूंद या पीने के पानी में
	आर डी कील्ड वैक्सीन	६० दिन पर	०.२५ – ०.५ मि.ली. चमड़ी के नीचे
गंबोरो	स्टैडर्ड/ जीओरजिया	१५ से १६ दिन पर	आँख-नाक में १-१ बूंद या पीने के

	इण्टरमिडीयट पल्स या एम बी		पानी में
आई. बी.	आई. बी. टीका	२१ दिन पर	पीने के पानी में
फाउल पॉक्स या माता रोग	फाउल पॉक्स टीका	४२ दिन पर	०.१ मि.ली. पंख के नीचे या मास में
गंबोरो, रानीखेत एवं आई. बी.	किल्ड टीका (मल्टीकोम्पोनेंट)	११२ दिन पर	०.५ मि.ली. चमड़ी के नीचे

टीकाकरण के फायदे

- टीकाकरण सक्रामंक रोगों से हमारे जानवरों की रक्षा करता है।
- टीकाकरण से पशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।
- टीकाकरण के द्वारा जूनोटिक बीमारियों का पशुओं से मनुष्यों में संक्रमण को रोका जा सकता है।
- टीकाकरण संक्रामक रोगों से जुड़ें उपचार की लागत को कमकर किसानों पर आर्थिक बोझ को कम करने मे मदद करता है

टीकाकरण के दौरान सावधानियाँ

- वृद्ध एवं उन्नत गर्भवती पशुओं का टीकाकरण नहीं किया जाना चाहिए।
- कम गुणवत्ता टीका या टीकें की कमी प्रतिजनी खुराक से परहेज करना चौहिये।
- वायरल तनु टीकें को बनाऐ रखने के लिए उचित कोल्ड चेन को बनाये रखना चाहिए।
- पशुओं के टीकाकरण से पहले पशुओं को कृमिनाशक दवाओं द्वारा उन्हे कृमि मुक्त बनाया जाना चाहिए।
- संक्रमित या रोग ग्रस्त पशुओं के टीकाकरण से परहेज करना चाहिए।
- टीकाकरण सारणी की सख्त अनुपालन टीकाकरण कार्यक्रम की सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है।

-